जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

जब हम उस महान अनुग्रह पर विचार करते हैं जो हमें—गैर-यहूदी जातियों को—मिला है, तो हमें यह समझ आता है कि यह कितना गहरा और मूल्यवान है। हम, जो पहले इस संसार में बिना परमेश्वर के थे, अब उस रहस्य में शामिल हो गए हैं, जिसे परमेश्वर ने लंबे समय तक अपने लोगों, यहाँ तक कि अपने भविष्यद्वक्ताओं से भी छिपाकर रखा था। यह रहस्य इतना गुप्त था कि केवल उचित समय पर ही इसे प्रकट किया गया।

प्रेरित पौलुस इस रहस्य के बारे में कहता है:

इफिसियों 3:3-6:

“3 जैसा कि मैंने पहले संक्षेप में लिखा है, परमेश्वर की
कृपा का भण्डारीत्व मुझे तुम्हारे लिए दिया गया।
4 जब तुम इसे पढ़ोगे, तो मसीह के इस रहस्य को लेकर मेरी समझ को जान सकोगे।
5 यह रहस्य पिछली पीढ़ियों में मनुष्यों पर प्रकट नहीं किया गया था, जैसे अब यह आत्मा के द्वारा उसके पवित्र प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं पर प्रकट किया गया है।
6 कि मसीह यीशु में सुसमाचार के द्वारा गैर-यहूदी भी हमारे साथ उत्तराधिकारी हैं, एक ही शरीर के अंग हैं, और प्रतिज्ञा

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

में साझेदार हैं।”

क्या तुमने ध्यान दिया? यह रहस्य यह था कि हम, गैर-यहूदी, अब मसीह के द्वारा अब्राहम की प्रतिज्ञाओं में यहूदियों के साथ सहभागी बनाए गए हैं।
हम जो पहले यहूदियों की नजरों में कुत्तों के समान थे—और वास्तव में हम थे भी—अब मसीह के प्रेम और बलिदान से अनुग्रह में प्रवेश पा चुके हैं।

यदि तुम बाइबल के अच्छे विद्यार्थी हो, तो तुमने देखा होगा कि जब इस्राएली बाबुल में थे, तब परमेश्वर ने अपने सेवक दानिय्येल को संसार के अंत तक का समय प्रकट किया।

दानिय्येल 9 में लिखा है कि इस्राएल के लोगों के लिए सत्तर सप्ताह (70 weeks) निश्चित किए गए हैं जब तक कि सब कुछ पूरा न हो जाए।
बाइबिल के अनुसार एक सप्ताह = 7 वर्ष, इस प्रकार

70 x 7 = 490 वर्ष,
बाबुल से लौटने के समय से लेकर अंत तक।

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

परमेश्वर ने इन 70 सप्ताहों को तीन भागों में बाँटा:
– पहले 7 सप्ताह,
– फिर 62 सप्ताह,
– और फिर एक अंतिम सप्ताह।

बाइबिल कहती है कि 69 सप्ताह समाप्त होंगे मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने पर।

दानिय्येल 9:26:

“62 सप्ताहों के बाद, मसीह काट डाला जाएगा और उसके पास कुछ न रहेगा; और आनेवाले शासक की प्रजा नगर और पवित्र स्थान को
नष्ट कर देगी। उसका अंत जलप्रलय की तरह होगा, और युद्ध का
समय निश्चित है; विनाश तय है।”

इसके बाद केवल 1 सप्ताह (यानी 7 वर्ष) शेष रह जाता है, जिसमें सब कुछ पूरा होगा।

लेकिन गौर करो: यह अंतिम सप्ताह मसीह के क्रूस पर चढ़ने के तुरंत बाद शुरू नहीं हुआ।
यदि ऐसा होता, तो यीशु के मरने के केवल 7 वर्षों बाद संसार का

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

अंत हो जाता।
पर आज हम देख रहे हैं कि करीब 2000 वर्ष बीत चुके हैं, फिर भी अंत नहीं आया।

यह वह रहस्य था जिसे पुराने नियम के भविष्यद्वक्ताओं ने नहीं देखा था।
यह एक छुपा हुआ काल था—अनुग्रह का युग, जो केवल हमें—गैर-यहूदी जातियों को—उद्धार देने के लिए दिया गया।

इसीलिए हमें मसीह के इस महान अनुग्रह के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए।

कल्पना करो, यदि यीशु के स्वर्गारोहण के समय संसार का अंत आ गया होता, तो हम कहाँ होते?
यहाँ तक कि उसके चेले भी यही सोचते थे कि अंत अब आ रहा है:

प्रेरितों के काम 1:6-9:

“6 जब वे एकत्र हुए, उन्होंने यीशु से पूछा: ‘प्रभु, क्या तू
इस समय इस्राएल के राज्य को पुनः स्थापित करेगा?’
7 उसने उत्तर दिया: ‘यह जानना तुम्हारा काम नहीं कि वह समय
और काल कब आएँगे, जिन्हें पिता ने अपनी अधिकार में रखा है।

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

8 परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तो तुम सामर्थ्य
पाओगे, और यरूशलेम, समरिया और पृथ्वी के छोर तक मेरे गवाह बनोगे।’
9 यह कहने के बाद, वे जब उसे देख रहे थे, वह ऊपर उठा लिया गया,
और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।”

अगर यीशु ने उस समय इस्राएल के लिए राज्य स्थापित कर दिया होता, तो हम गैर-यहूदी आज भी मूर्तिपूजक होते, और मृत्यु के बाद सीधे नरक में जाते।

परन्तु परमेश्वर ने अपनी महान करुणा में यहुदियों के लिए निर्धारित अंतिम सप्ताह को रोका, ताकि हम अनुग्रह से उद्धार प्राप्त करें।

अब हम उस लगभग 2000 वर्षों की अनुग्रह की अवधि में जी रहे हैं, जिसमें हमें उद्धार का अवसर दिया गया है।

लेकिन ध्यान रहे, यह अनुग्रह हमेशा के लिए नहीं रहेगा।
अब हम अंत के अंतिम छोर पर हैं।
बहुत शीघ्र, यह अनुग्रह इस्राएल की ओर लौट जाएगा—और परमेश्वर अंतिम सप्ताह (7 वर्ष) को पूरा करेगा, जो केवल चुने हुए यहूदियों के लिए होगा।

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

इसके बाद संसार का अंत आएगा।

क्या तुम इसके लिए तैयार हो?

जब परमेश्वर ने यहूदियों को “अंधत्व” दिया, तो वह हमारी भलाई के लिए था—ताकि हम उद्धार पा सकें।

रोमियों 11 अध्याय को पढ़ो — वहाँ पौलुस बताता है कि कैसे इस्राएल की ठोकर हमें उद्धार देने के लिए हुई।

फिर भी, परमेश्वर ने पहले से ही अपने लोगों से यह वादा किया है कि वह उन्हें फिर से लौटाएगा। होशे 6 में लिखा है:

होशे 6:1-3:

“1 आओ, हम यहोवा के पास लौट चलें! उसने फाड़ा है, पर वह चंगा
भी करेगा; उसने मारा है, पर वह मरहम भी लगाएगा।
2 दो दिन के बाद वह हमें जिलाएगा; तीसरे दिन वह हमें उठाएगा, और हम उसके सामने जीवित रहेंगे।
3 आओ, हम यहोवा को जानने का यत्न करें; उसका प्रकट होना भोर

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

की तरह निश्चित है; वह हमारे पास वर्षा के समान आएगा, वसंत
की वर्षा की तरह जो भूमि को सींचती है।”

यह भविष्यवाणी यहूदियों के लिए है।
जब यह कहा गया “दो दिन के बाद”, इसका अर्थ प्रतीकात्मक रूप से है — 2000 वर्षों के बाद।

2 पतरस 3:8:

“प्रभु के लिए एक दिन एक हज़ार वर्षों के बराबर है, और एक
हज़ार वर्ष एक दिन के समान हैं।”

इसका अर्थ यह निकाला जा सकता है:

2000 वर्षों बाद (यानि दो “दिनों” के बाद), वह उन्हें फिर से जीवित करेगा;
और तीसरे दिन (यानि तीसरे हज़ार वर्ष में), उन्हें ऊँचा उठाएगा।

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

अब जब हम लगभग 2000 वर्षों के अंत पर हैं, तो तीसरा हज़ार साल—मसीह का हज़ार वर्ष का राज्य—निकट है।

प्रकाशित वाक्य 20:4:

“…वे जीवित हुए और मसीह के साथ एक हज़ार वर्ष तक राज्य
किया।”

लेकिन यह सब कलीसिया के उट्ठाए जाने (Unyakuo / Rapture) के बाद होगा।

उसके बाद, इस संसार में केवल शोक, पछतावा और विनाश बचेगा।

अब तुम कैसे जी रहे हो?

क्या तुम अब भी इस क्रूस के अनुग्रह को हल्के में ले रहे हो—जिसके तुम योग्य भी नहीं थे?

इब्रानियों 2:3:

जैसे-जैसे अंत निकट आता जा रहा है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

“यदि हम इस बड़े उद्धार की उपेक्षा करें, तो कैसे बच सकेंगे?…”

अब भी अवसर है—आज ही उद्धार लो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp